RITCO
Consider it Done

"My Ritco"

(The Digital Magzine)

GoGreen

HOUSE JOURNAL OF RITCO

September 2020

CMD की कलम से

CMD, **Manmohan P. S. Chadha**

इस अंक में मुख्य रूप से सुरक्षा पर महत्त्व दिया गया है । सुरक्षा जीवन के हर कदम पर जिंदगी को बनाए रखने के लिए अपना अहम् हिस्सा रखती है । यहाँ यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा, सुरक्षा जीवन के हर पल के लिए अहमियत रखती है। आज आप कोई भी समाचार पत्र पढ़ें या समाचार का चैनल देखें आपको यह समाचार जरूर पढ़ने या सुनने का मिलता है कि तेज रफतार के कहर से सड़क दुर्घटना में व्यक्ति मारा गया है। सोचिए, यदि हमारा कोई चाहने वाला, किसी बच्ची का पिता या कोई भी संबंध कह लीजिए जब सुबह घर से ऑफिस के लिए निकलता है तो परिवार के सभी सदस्यों की यही आशा होती है कि आप शाम को जल्दी घर आएंगे।। परंतु किसी दिन यह भयानक सत्य सुनने को मिलता है कि सड़क दुर्घटना का शिकार होने के कारण वह व्यक्ति घर पर नहीं पहुंचा। यदि उस दुर्घटना के कारण पर नजर डालें तो आप यही पाएंगे कि या तो सड़क पर तीव्र गति से वाहन चला रहा था या सड़क के नियमों का उलंघन कर रहा था। गोपीनाथ मुंडे जो कि सरकार में शहरी विकास मंत्री थे, उनकी 3 जून 2014 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई जिसका कारण बना एक प्राइवेट कार का ड्राइवर जो कि लाल बत्ती पर तेज गति से आ रहा था और मंत्री को ड्राइवर को लाल बत्ती पार करते समय वह कार दिखाई नहीं दी, जिसके कारण गाड़ी सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई । यह हादसा एक पल में किसी मंत्री एवं उनके परिवार के सपनों को चकनाचूर कर गया।

अगर हम सड़क दुर्घटना के आंकड़ों को देखें तो भारत में हर साल लगभग 2 लाख 45 हजार लोग सड़क दुर्घटना में अपनी जान गवा देते हैं। यह सत्य हमारे को सोचने पर मजबूर करता है कि क्या सड़क दुर्घटनाएं इसी तरह बढ़ती रहेंगी या हम एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने आपको, अपने परिवार को एवं समाज को सुरक्षित रखने में अपना सहयोग दे पाएंगे। अतः सुरक्षा हमेशा अहमियत रखती है, फिर चाहे हम घर पर हो, सड़क पर हों या कार्यस्थल पर हो, हमें सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए।

सुरक्षा की अहमियत से संबंधित हमने कस्टमर एवं औद्योगिक क्षेत्र के अधिकारियों से बात की एवं उनके विचारों को इस अंक में प्रकाशित किया है। साथ ही अभी तक प्राप्त ज्ञानवर्धक जानकारियां, आपके लेख एवं कविताएं इस अंक में प्रकाशित की गई हैं। यदि स्थानाभाव के कारण कुछ लेख इस पत्रिका में जगह नहीं ले पाएं हैं तो हम उन्हें आगामी अंकों में प्रकाशित करने का प्रयास करेंगे।

MD Message

From so many years we are asking to go paperless and adopt digitalisation but now is the time to go contactless. If we don't do it now and will still rely on paper, sustaining in business for long would not be possible. Going paperless is the first step to go contactless; we have to be paperless to go contactless."

"Secondly, we definitely need to embarce technonology like the way we have never done before,".

MD, **Sanjeev K. Elwadhi**

Contents

CMD Message	1
MD Message	
Blazing Star	2
Safety Always Matter	3-4
Cover Story	
Sports	5-6
Compliment Galore	7
Certificate of Appreciation	8
Award Session	9
Little Champs	9
Health Checkup Camp	10
Monsoon	11
मानसून एवं गर्मी के मौसम के दौरान सुरक्षा के नियम	12
COVID	13
Birthday Celebration	14
Fast Moving Consumer Business	15
Motivation Story	16
Fleet Session	17
चालकों के सुरक्षा से संबंधित विचार	18
Employee Corner	19
Little Camps	20
Merry Christmas from Ritco Family	21
Life Management	22
Vendor Management System	23
Gifts	24
Ritco Network	25
बचपन की यादें	26
सकारात्मक सोच	27
आग लगने पर क्या करें और क्या ना करें	28
Fire Safety Signs	29

Edited by :
Sandeep Kaushal, Senior Manager

Advisory Services :
Dhananjay Prasad, CEO

BLAZING STAR 2

Dhananjay Prasad

आप लोगों को मुझे यह बताते हुए बहुत हर्ष और उल्लास महसूस हो रहा है कि हम लोग अपनी सफल स्कीम ब्लेजिंग स्टार का दूसरा भाग शुरू करने जा रहे हैं ।

आप में से कई लोग यह जानते होंगे कि पिछली बार इस स्कीम के तहत चुने हुए लड़कों के ऊपर हम लोगों ने काम किया था जिसके स्वरूप आज के के झा / राजेश शर्मा / नीरज झा / शिव शंकर मिश्रा जैसे लोग कामयाबी के साथ आगे बढ़ते हुए ना बल्कि कंपनी में बल्कि समाज में, अपने परिवार में भी एक बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं ।

यह स्कीम हमारा सपना था इसकी शुरूआती नीभ 2008 में रखी गई थी और इसे हम इस बार और बहुत ही बड़ेभव्य, साइंटिफिक और अधिक प्रैक्टिकल तरीके से करने जा रहे है।

इस स्कीम के तहत हम लोग 25 लड़कों को ब्रांच में से चुनेंगे जिन्हें ब्लेजिंग स्टार का दर्जा दिया जाएगा इसके अलावा 5 लड़के और 2 लड़कियां भी हेड ऑफिस से चुनी जाएगी।

- इन 32 लोगों के ऊपर कंपनी तरह–तरह कि इंटरनल व एक्सटर्नल ट्रेनिंग दी जाएगी
- इसके अलावा इन लोगों को अपने KRA के प्रति किस तरीके से अधिक से अधिक और बढ़िया काम कर सकते हैं इसके बारे में भी बताया जाएगा
- आने वाले दिनों में यह 32 लोग कंपनी में अपनी एक अलग पहचान बना सकेंगे इसके तहत हम लोग ब्लेजिंग स्टार के इन सभी लोगों को ऊपर खास ध्यान रखेंगे और समय–समय पर इनको हेड ऑफिस बुलाकर के या हमारी हेड ऑफिस की टीम इनको ब्रांच में जाकर के इनको एक खास तरीके से ट्रेन किया जाएगा ताकि यह अपने कार्य में सबसे आगे और प्रतिभाशाली बन सके ।
- इसमें कोई दो राय नहीं है कि एक बार ब्लेजिंग स्आर का कोर्स करने के बाद चुने हुए लोगों का भविष्य काफी उज्जवल होता है, बल्कि इस बार की जो स्कीम है उसके तहत हम लोगों का ब्लेजिंग स्टार के ऊपर और अधिक संयोजित तरीके से काम करने की एक प्लानिंग है और आने वाले दिनों में यह आपके साथ शेयर की जाएगी ।
- आप में से कोई भी जो यह समझता है कि वह ब्लेजिंग स्टार बन सकता है या बनने की चाहत रखता है वह इसके लिए अप्लाई कर सकता है ।
- ब्रांच मैनेजर या रीजनल मैनेजर को छोड़कर कोई भी व्यक्ति वह चाहे तो इस स्कीम के तहत भाग ले सकता है ।
- आपको मुझे एक पर्सनल मैसेज भेजना है और अपना नाम/अपनी पोस्ट/आप किस ब्रांच में और क्या कार्य करते हैं इसके बारे में बताना है, बड़ी ही जल्दी उन 32 भाग्यशाली लोगों के नाम की सूची कंपनी की तरफ से जारी कि जायेगी और उनकी एक स्पेशल खास ट्रैनिंग शुरू कर दी जाएगी।
- इसके तहत आप लोगों जिस ब्रांच में अपना कार्य करते हैं वहीं पर आप कार्य करते रहेंगे लेकिन आपको साथ साथ अलग अलग तरीके से ट्रैन किया जाएगा।
- **BLAZING STAR** स्कीम के तहत चुने हुए बेस्ट 10 लोगों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में एक खास ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा ।

Our Few Blazing Stars

Shiv Shankar

Rajesh Sharma

Krishan K. Jha

Neeraj Jha

SAFETY ALWAYS MATTERS !

Cover Story

In day to day life, SAFETY refers to the methods and measures for reducing the risk of a person, being killed or seriously injured or put to various types of losses. So, the safety always remains your prime concern whether you are at home, on road, in travel, workplace, shopping areas or in malls. Importance of safety is stressed everywhere in our daily life on an on-going basis. We always find safety rules & tips and cautions prominently displayed all around us e.g. on hazardous equipment & machinery, National Highways, institutions, workplaces, malls, residential buildings, hospitals, railways stations, airports etc. These notices are meant to guide us to subconsciously protect our lives from any untoward incident or accident causing injury and loss of human life. These protective tips are normally based on actual accidents while compromising on safety norms in a particular work environment risking one's life or thinking that safety norms as prescribed are meant for others only. Its importance is realized only when something wrong happens for not being proactive and ignoring the statutory warnings to guard against such risks.

But why should we do all this to risk our precious lives – to save time, adopt short cuts, be more adventurous or depleting value for one's life; there may be many more reasons; and for whom we do this – for self or for people concerning us ? We teach our children and make best efforts to train them to observe safety norms in all walks of life but how about your taking pride in breaking same safety norms. Then, what are they going to learn? While at home, as a self-disciplined person, we should always insist and observe all safety and security norms as a routine e.g. entrance doors should remain latched from inside to prevent any unauthorized intrusion, gas cylinder supply switched off overnight, valuables kept locked, keeping slippery surface in wash rooms dry, antecedents of servants verified, electrical equipment operated as per their manual of instructions, etc., the list is endless.

Accidents cause much personal and national loss in terms of men and material. All types of accidents are analyzed in terms of their physical or mechanical causes. When accidents occur

due to human error, they are often written off as the result of carelessness of someone or lack of knowledge of safety norms. But among those who investigate accidents, there is an increasing awareness that this type of analysis does not fully explain why otherwise rational people do what may seem irrational. Accidents on roads have become very common these days. With the rapid growth in traffic, the roads have become more dangerous and risky in recent years. Driver distraction and inattention are important driving safety issues. Within the past few years, the use of in-vehicle technologies e.g. the cell phone, have become more popular which are the typical examples of drivers practicing unsafe habits beside jumping traffic light, not giving the right of way to anyone especially when coming onto highways etc. Even if a driver is cautious, who is to blame if an accident still occurs? But the driver should always be patient, responsible and cautious and should always express “social responsibility.”Therefore, "Safety First" should be the aim of every person.

The safest workplaces are those which make workplace safety part of the corporate culture. By making safety a part of the culture, businesses can greatly reduce the risks an employee might face. Workplace safety is a major concern to employers for many different reasons. An unsafe workplace can increase the cost of doing business, both through higher insurance and workers compensation payments, and through the loss of productivity or expertise. As a result, every employer needs to develop plans to deal with both man-made and natural threats and implement corporate policies to improve workplace safety. On the other hand, lack of proper training to the workforce to not to make mistakes that can risk their health and safety, also contribute to compromising on safety matters. Employees need to be informed about the proper responses, trained to immediately respond to a workplace safety issues and encouraged to report any potential workplace safety issue as soon as they see it. There should be an open door policy and every employee needs to know that unsafe behavior or actions may lead them in risks of health and life.

Then there are frequent fire incidents. In most cases; they happen because of human errors and negligence. People should be made safety-conscious and given proper training in safety measures. Keep access clear to emergency exits, equipment and their shut offs. Learn where fire extinguishers and first aid kit are located. Read and obey safety signs and tags. The people should be taught what effective steps to take immediately after accident. So, safety always matters- may be you are on highways, buildings, vehicles, malls, workplaces, institutions, homes etc. Safety in day to day life, may be workplace or otherwise, is the responsibility of an individual and it is everyone's job and assignment. It should be your first thought and not an after thought. We should never take risks when it comes to our own safety or security. If we learn safe work practices and remain alert & awake, hardly any accident can take place due to human error.

Always remember that your safety and the safety of others should be your only priority whether you are at home, workplace, market, travel or anywhere. Safety is good for your health and happiness. Accidents are preventable – only thing is that you need to work safely and follow rules. Adopting shortcuts and ignoring established safety rules is a leading cause of accidents. The safe way is the right way. Never work or drive while under the influence of drugs or alcohol. If we could only see high risk activities as a cancerous disease, near misses would then be as once in a lifetime activity and we would appreciate safety more as helpful instead of hindrance.

SPORTS

mindset
is
what
separates
the best
from
the rest

GROUP DISCIPLINE PRODUCES A UNIFIED EFFORT TOWARD A COMMON GOAL

COMPLIMENTS GALORE

क्या आप जानते हैं?

आपकी आँख 576 मेगापिक्सल के बराबर है।

क्या आप जानते हैं?

एक पेन्सिल (56.327 किमी) लंबी रेखा खींची जा सकती है।

Certificate of Appreciation

Sketch by Amrita

Our CEO Awarded for One of the Eminent Speaker

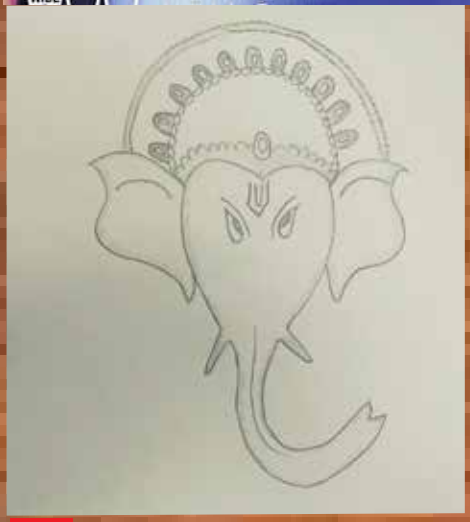

Sketch by Stuti

क्या आप जानते हैं?

दो केलों में 90 मिनट तक कड़े व्यायाम करने के लिए ऊर्जा होती है।

HEALTH CHECKUP CAMP

RITCO Organized Health Checkup Camp
for their Employees and Family with Support of Fortis for Healthy Environment.

Prevention is better than cure

मानसून संरक्षण

प्रिय टीम ।

मानसून शुरू हो गया है, इसलिए मान लीजिए कि इसलिए इस वर्ष प्रतिज्ञा करें इस साल मानसून की वजह से ना कोई माल होगा , ना कोई माल, और ना कोई दुर्घटना होगी मैं और संदीप काउंसलिंग के लिए एक समय में 5- 6 लोडिंग स्टाफ के साथ कान्फ्रेंस कॉल करेंगे यह कंपनी के साथ-साथ बाजार वाहन दोनों के लिए लागू होगा।मेरे और संदीप को काउंसिलिंग के लिए एक समय में 5- 6 लोडिंग स्टाफ के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल किया जाएगा। यह कंपनी के साथ-साथ बाजार वाहन दोनों के लिए लागू होगा।सभी प्रमुखों /ब्रांच मैनेजर ने अपनी टीम के साथ कम से कम 10 मिनट की काउंसिलिंग करेंगे यह बहुत जरूरी है और ऐसा करते हुए फोटो भेजेंगे ।

हम सभी जानते है कि परिवहन क्षेत्र एक भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और यह एक ऐसा क्षेत्र है जो मानसून के दौरान सबसे अधिक प्रभावित होता है क्योंकि सड़कें उचित नहीं होती है, वे समय-समय पर सही तरीके से रखरखाव नहीं करते हैं जिसके परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाएं होती है, परिवहन, राजमार्ग में क्षति होती है यातायात, माल की डिलीवरी में देरी, उद्योग को बुरी तरह प्रभावित करता है।

मानसून के दौरान,ट्रांसपोर्टरों को अपने परिवहन का ध्यान रखना पड़ता है क्योंकि बारिश के सीधे संपर्क में आने के कारण परिवहन क्षति की अधिक संभावना होती है। इसलिए उन्हें अपने बहुमूल्य सामान की सुरक्षा के लिए विशेष सावधानी बरतनी होगी।

- ✓ गाड़ी की प्री मानसून सर्विस करवानी है जैसे बेटरी ,वायरिंग,टायर,लाइट,हेडलाइट,और सिग्नल लाइट ब्रेक वाइपर,इंजन आयल ।
- ✓ सुनिश्चित करें कि अच्छी गुणवत्ता के लोड योग्य वाहन लोड करवाएं ध्यान रखें की उसमे किसी तरह का छिद्र न हो रस्से पूरे हो कंटेनर बॉडी ठीक हो फर्श टूटा हुआ या गन्दा न हो
- ✓ माल को चारों तरफ अच्छे से ढकने के लिए अच्छी तरह के तरपाल का प्रयोग करें ।

Prepared by :-Sandeep Kaushal (Special Duty Officer Monsoon)

MONSOON PRECAUTION WHILE DRIVING

We all know that transportation sector is the backbone of an Indian economy and it's a sector which is affected most during monsoon as the roads are not proper , they are not maintained properly from time to time resulting into more road accidents, damage in Transportation ,highway traffic ,delay in delivery of goods, affecting the industry badly.

During monsoon, transporter has to take care of their Transportation as there are more chances of Transportation damages due to direct exposure to rains. So they have to take special precautions to protect their valuable goods.

- ✓ Pre-monsoon checkup of vehicles covering batteries, tyres, lights headlight and signal lights, electrical wiring, brake fluid, engine fluids and wipers.
- ✓ Ensure Good Quality load worthy vehicles having proper flooring / side walls / container body without any holes / proper and adequate good quality ropes.
- ✓ Adequate and Good Quality tarpaulins to cover the consignment from all 4 sides.
- ✓ Use of plastic bags to avoid documents getting wet.
- ✓ Thorough checking of the vehicle by your loading supervisor before reporting of the vehicle for loading. We must have 4 +1 Tarpaulin.
- ✓ In case of closed body trucks, check if there are any holes or weak body Do the necessary repairs wherever required.
- ✓ Checks tyres of safety. Replace worn out tryes with a new set.
- ✓ Check your wheel alignment.
- ✓ Proper packaging of high value materials
- ✓ Waterproof packaging should be done to materials.
- ✓ Timely maintenance of vehicles.

Prepared by :-Sandeep Kaushal (Special Duty Officer Monsoon)

- ✓ दस्तावेज /कागजों को गिला होने से बचने के लिए प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग करें ।
- ✓ लोडिंग के लिए वाहन की रिपोर्ट करने से पहले हमारे लोडिंग सुपरवाइजर द्वारा वाहन की पूरी जांच की जाए उनके पास 4 +1 तिरपाल होना चाहिए ।
- ✓ क्लोज बॉडी कंटेनर को भी अच्छे से चेक करें यदि जरूरत पड़े तो रिपेयर करवा कर ही लोड करें ।
- ✓ टायर सही हो अच्छे से चेक करे ।
- ✓ गाड़ी का व्हील एलाइनमेंट अच्छे से चेक करें ।
- ✓ उच्च मूल्य सामग्री की उचित पैकेजिंग होनी चाहिये ।
- ✓ माल की पैकिंग ऐसी होनी चाहिये की पानी अन्दर न जा सके ।
- ✓ गाड़ी को सही समय से मेंटेनेंस करवा लेना चाहिये ।
- ✓ मानसून से पहले गाड़ी के चेक ब्रेक और सर्विस होंग चेक और कर लेनी चाहिये ।
- ✓ गाड़ियों में उचित दूरी बनाकर रखें ।
- ✓ कोशिश करें की गीली रोड पर अचानक ब्रेक न लगाये ।
- ✓ सुनिश्चित करें की गाड़ी की सभी लाइट अच्छे से काम कर रही हो ।
- ✓ उन ड्राइवर्स को ही भेजें जिनको रूट अच्छे से पता हो ।
- ✓ बारिश के पूर्वानुमान के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।
- ✓ पुलो पर भार प्रतिबंध का पता होना चाहिए ।
- ✓ पानी के बहाव वाले पुलों पर वाहन चलाने से बचें।
- ✓ यदि पानी सड़क को कवर कर रहा है, तो जोखिम लेने से बचें क्योंकि गड्ढे या छेद हो सकते हैं।
- ✓ खतरनाक माल के लिए विशेष मार्गों का उपयोग करें।
- ✓ माल गिला होने से बचाने के लिए ड्राइवर / सारथी को रस्ते में सावधानियां बरती जानी चाहिए। जिसके लिए हमारे लोडिंग स्टाफ को ड्राइवर/ सारथी को समझाना चाहिए।
- ✓ किसी भी हालत में कोई समझौता नहीं। हम 100% माल को गिला होने से बचायेंगे ।

नोट: हमारी और से लोडिंग स्टाफ और शाखा प्रबंधक को पुरस्कार दिया जाएगा जो की 100% माल को गिला नही होने देंगे ।

Prepared by :-Sandeep Kaushal (Special Duty Officer Monsoon)

- ✓ Cross check and proper service with proper checking brakes before monsoon

Further we would like to give few tips to truck drivers such as

- ✓ Keep safe distance between vehicles.
- ✓ Avoid using urgent breaks on wet roads.
- ✓ Ensure that all lights are working properly.
- ✓ Send drivers who know the routes well.
- ✓ Plan your trip according to the rain forecast.
- ✓ Know the weight restrictions on the bridges.
- ✓ Avoid driving on water overflowing bridges.
- ✓ If water is covering the road, avoid taking risks since there may be potholes or drainage holes.
- ✓ For hazardous goods, use special routes.
- ✓ Utmost care to be taken by the Driver / Sarthi in transit to avoid wet claims. So our loading parson must be done driver consoling.
- ✓ No compromise in any condition. we will avoid 100% wet

Note:- we will awards to Loading staff & Branch manager for 100% Avoid wet condition

SO THIS MONSOON HAVE A SAFE AND HAPPY JOURNEYS.

Prepared by :-Sandeep Kaushal (Special Duty Officer Monsoon)

मानसून एवं गर्मी के मौसम के दौरान सुरक्षा के नियम

मानसून एवं गर्मी के मौसम में सुरक्षित चलने के उपाय

चालक,वाहन और सड़क की गुणवत्ता इन तीनों कारकों पर सड़क सुरक्षा निर्भर करती है । इनमें से चालक की भूमिका सबसे अहम् है । ड्राइविंग कौशल के अभाव में सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण होता है । बरसात के मौसम में क्योंकि वाहन के आगे दिखाई देने की क्षमता काफी कम हो जाती है । साथ ही रोड पर पानी होने के कारण टायरों के स्लिप होने से दुर्घटना की आशंका सदैव बनी रहती है । मानसून के मौसम में सुरक्षित चलने के लिए वाहन चालक को निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए :-

1 बारिश के समय गाड़ी की गति धीमी रखें । गाड़ी की गति 20. 25 किलोमीटर प्रतिघंटा से ज्यादा न हो।

2 हैड लाइट व डिपर सही एवं चालू हालत में हो ।

3 मानसून के आने से पहले ही अपनी गाड़ी की मैंटेनैंस करवा लें ।

4 मानसून के दौरान यह सुनिश्चित करें कि टायरों की कन्डीशन सही हो । टायरों के ग्रूव सही हालत में होने चाहिए, अन्यथा गाड़ी के स्लिप होने की संभावना बढ़ जाती है ।

5 दो गाड़ियों के बीच की दूरी साधारण समय की दूरी से दौगुणा होनी चाहिए । क्यों कि यदि अगली गाड़ी अचानक ब्रेक लगाती है तो ड्राइवर को ब्रेक लगाने के लिए प्रयाप्त जगह नहीं मिल पाएगी।

6 अगर रोड पर पानी भरा हो एवं सड़क दिखाई नहीं दे रही हो तो पहले पैदल चल कर रोड का मुआयना कर लें उसके बाद ही गाड़ी को आगे बढ़ाएं ।

7 रात में यदि बारिश हो रही हो तो गाड़ी को सुरक्षित स्थान पर खड़ी करके सिगनल लाइट को चालू रखें।

गर्मी के मौसम में लू से बचाव के उपाय

गर्मी के मौसम में क्योंकि उत्तर भारत में गर्मी अत्यधिक बढ़ जाती है ऐसे में लू से प्रभावित होने की संभावना रहती है। इससे बचने के लिए विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति लू से प्रभावित होता है, तो उसे तात्कालिक बचाव के उपायों के बाद चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। चिकित्सकों के अनुसार लू से बचाव तथा इसके प्राथमिक उपचार के लिए गर्मी के दिनों में धूप में घर से बहार जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के कपड़े पहनने चाहिए। गर्मी के मौसम में गर्दन के पिछले भाग, कान व सिर को गमछे या तौलिए से ढक कर ही धूप में निकलें। गर्मी में हमेशा पानी अधिक मात्रा में पीएं एवं पेय पदार्थों का अधिक से अधिक मात्रा में सेवन करें। बिना भोजन किए घर से बाहर न निकलें। भोजन करके एवं पानी पीकर ही घर से बाहर निकलें।

EXPRESS COVID-19 VACCINE TRACKER

RITCO
...before preparing or eating food.
...after treating a wound.
...after tending a sick person.
WASH YOUR HANDS...
...after handling trash and other objects.
...after blowing your nose, coughing, or sneezing.
...after using the bathroom or changing a diaper.

RITCO
Consider it Done
Our "Warehouse safety and being safe" training.
www.ritcologistics.com

MHRD
Ministry of Human Resource Development
RITCO
नोवल कोरोनावायरस
(COVID19)
क्या करें और क्या ना करें
खुद रहें सुरक्षित, दूसरों को रखें सुरक्षित
क्या करें
क्या ना करें
www.ritcologistics.com

BIRTHDAY CELEBRATIONS

STRONG RELATIONSHIP WITH FMCG GIANT

Our Motto 0% Claim and 100% Customer Satisfaction

MOTIVATION STORY

एक दिन एम्पलाइज जब ऑफिस पहुंचे तो उन्हें गेट पर एक बड़ा नोटिस लगा दिखा : इस कंपनी में जो व्यक्ति आपको आगे बढ़ने से रोक रहा था, कल उसकी मृत्यु हो गई है । हम आपको उसे आखिरी बार देखने का मौका दे रहे हैं । कृप्या बारी–बारी से मीटिंग हॉल में जाए और उसे देखने का कष्ट करें ।

जो भी नोटिस पढ़ता उसे पहले तो दुःख होता लेकिन फिर जिज्ञासा हो जाती की आखिर वो कौन था जिसने उसकी ग्रोथ रोक रखी थी और वो हॉल की तरफ चल देता । देखते देखते हॉल के बाहर काफी भीड़ लग गई, गार्ड ने सभी को रोक रखा था और उन्हें एक–एक करके अन्दर जाने दे रहा था ।

सबने देखा कि अन्दर जाने वाला व्यक्ति काफी गंभीर हो कर बाहर निकलता, मानो उसके किसी करीबी की मृत्यु हुई हो । इस बार अन्दर जाने की बारी एक पुराने एम्पलायी की थी उसे सब जानते थे, सबको पता था कि उसे हर एक चीज से शिकायत रहती थी, कंपनी से, सहकर्मियो से, वेतन से, हर चीज़ से ।

पर आज वो थोड़ा खुश लग रहा था, उसे लगा कि चलो जिसकी वजह से उसकी लाइफ में इतनी प्रोब्लम्स थी वो गुजर गया । अपनी बारी आते ही वो तेजी से ताबूत के पास पहुंचा और बड़ी जिज्ञासा से उचक की अन्दर झांकने लगा । पर ये क्या, अंदर तो एक बहुत बड़ा आइना रखा हुआ था ।

यह देखकर वह क्रोधित हो उठा और जोर से चिल्लाने को हुआ कि तभी उसे आइने के बगल में एक संदेश दिखा – इस दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति है जो आपकी ग्रोथ रोक सकता है और वो खुद हैं इस पूरे संसार में आप वो अकेले व्यक्ति हैं जो आपकी जिंदगी में क्रांति ला सकता है ।

आपकी जिंदगी तब नहीं बदलती जब आपका बॉस बदलता है, जब आपके दोस्त बदलते हैं जब आपके पार्टनर बदलते हैं या जब आपकी कंपनी बदलती है । जिंदगी जब बदलती है जब आप अपनी लिमिटेड बिलीफ्स तोड़ते हैं जब आप इस बात को रीयलाइज करते हैं कि अपनी जिंदगी के लिए सिर्फ और सिर्फ आप जिम्मेदार हैं सबसे अच्छा रिश्ता जो आप बना सकते हैं वो खुद से बनाया रिश्ता है खुद को देखिये, समझिये, कठिनाइयों से घबराएं नहीं उन्हें पीछे छोड़ें, विजेता बनिए खुद का विकास करिये और अपनी उस वास्तविक्ता का निर्माण करिए जिसको करना चाहते हैं ।

दुनिया एक आइने की तरह है, वो इंसान को उसके शशक्त विचारों का प्रतिविम्ब प्रदान करती है, ताबूत में पड़ा आइना दरअसल आपको ये बताता है कि जहां आप अपने विचारों की शक्ति से अपनी दुनिया बदल सकते हैं वहां आप जीवित होकर भी एक मृत के समान जी रहे हैं । इसी वक्त दफना दीजिए उस पुराने मैं को और एक नए मैं का सृजन कीजिए ।

प्रेरणा : खुद की गलतियों के लिए दूसरों को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए ।

Vikram Singh

Rajesh Sharma
AGM - Fleet

Tell us about yourself.

MY SELF RAJESH SHARMA

AGM - Fleet This is first company of my career and hope long innings with Ritco till my retirement.

What are key responsibilities for Fleet manager?

My key responsibilities are to handle complete vertical of each operation and ensure compliance of regulatory and HSSE norms as to keep utmost satisfaction of Management and make an enjoyable work environment with team members.

What biggest problem did you face in your occupation?

Shortage of Truck Drivers and their retention is biggest problem faced by Indian Transport and Logistics. We are also facing same problem of retaining good drivers/ availability of good drivers. Requirement of vehicles are increasing day by day, specially after implementation of legal load but availability of drivers/helpers are decreasing drastically as this is low income profession and nobody is looking this work by respected manners. Today no one wants to make his child as driver/helper. In our country, there are few institutes for driver training.

What skills are required for Fleet manager?

The skills are required is passion and **patience** with team members as well as customers.

Fleet manager is a tough role and your mostly interaction with fleet crew.

How you feel while talking with truck driver?

Now it has been long time to handle all these things. I feel normal while talking with drivers. If you want to talk with your drivers, you have to understand them, their problems, their version, their outlook. If you will understand all above, driver will also understand you and your requirement.

If you are hiring a Truck Driver for your fleet, what would you look for?

Lot of things are there to take care of at the time of appointment of drivers. Main points are Valid D.L. , Valid ID proof and guarantee for legal point of view, experience for safety point, good attitude.

How do you feel while talking with truck driver?

If a driver tells me about the completion of trip safely then I am very happy and appreciate him but if he doesn't so I feel myself very upset and approach driver for not to make any mistake in future.

If you are hiring a Truck Driver for your fleet, what would you look for?

We should check his driving license with validity of DL whether he is eligible for driving the vehicle or not.
We should take his KYC documents in Xerox.

We should recruit drivers with reference of our existing driver/ employee.

We should prefer to promote the helpers to driver within the company.

We should also take his adhar card.

We should also take medical certificate

चालकों के सुरक्षा से संबंधित विचार

मेरा नाम शंकर है । मैं लगभग 20 साल से सारथी के पद पर कार्य कर रहा हूं । रिटको में मुझे 7 साल हो गए है । इस समय मैं सूरत में कार्यरत हूँ । ट्रक नं. GJ19X6476 सारथी के रूप में हमारे पर काफी जिम्मेदारी होती है जैसे कि माल की, गाड़ी को और सबसे अहम् जिम्मेदारी हमारे परिवार की । सड़क पर चलते समय हम कई बार दूसरी गाड़ी से आगे निकलने की कोशिश करते हैं और यही छोटी सी गलती जानलेवा हो सकती है। हमें अपने आप पर संयम रखते हुए गाड़ी चलाना चाहिए, जब भी पैर गाड़ी के एक्सीलेटर पर हो तो यह ध्यान रहना चाहिए की घर पर कोई आपका इंतजार कर रहा है। यदि हम सुरक्षित रहेंगे तभी तो हम जीवन में कुछ कर पाएंगे ।

ओवर लोडिंग से जहां एक ओर सार्वजनिक बुनियादि ढांचे को असर पड़ता है वहीं इससे सड़क दुर्घटनाओं के होने की संभावना भी ज्यादा बढ़ जाती है । ओवरलोडिंग पर रोक लगाना इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की नैतिक जिम्मेदारी है ।

शंकर
सारथी फ्लीट सूरत

मुकतार खान,
सारथी फ्लीट सूरत

मेरा नाम मुकतार खान है । मुझे लगभग 20 साल का अनुभव है । मैं रिटको में सारथी के पद पर पिछले 2012 से कार्य कर रहा हूं । मेरे ट्रक का नं. GJ5BX6243 इस दौरान में यही मानता हूँ की भगवान की कृपा एवं आर्शीवाद से मेरे से कोई दुर्घटना नहीं हुई है।

कोई भी काम करते समय हमारे ऊपर काफी जिम्मेदारी होती है जैसे कि हमारा परिवार जो कि घर से निकलते समय यही आशा रखता है कि हमारा बेटा, पति या पिता घर पर सुरक्षित आए । आखिर अपनों से दूर हम अपनों के लिए ही तो कुछ करने की चाह रखते हैं । इसके अतिरिक्त यदि हम सुरक्षा के साथ गाड़ी चलाएंगे तो हमारे ऊपर उस कंपनी का भी भरोसा होता है जिन्होंने हमें कस्टमर का कीमती माल समय पर सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी दी होती है ।

परंतु कई बार हमारी नादानी या जोश जिसके कारण हम सड़क पर कोई न कोई गलती कर देते हैं जिससे कि गाड़ी दुर्घटना का शिकार हो जाती है और उस दुर्घटना में कई बार हमारी जान या किसी ऐसे व्यक्ति की जान चली जाती है जिसे हम जानते भी नहीं है ।

अत: मैं अपने सभी भाई बंधुओं से यही कहूँगा कि आप भी सुरक्षित चलें एवं सड़क पर चलने वालों को भी सुरक्षित घर पहुंचने दें ।

"Don't hurt the one you love"

Now a day's everyone is in hassle and makes minor mistakes on road. In result some time they have to pay for it much than expected. We can't run away from our responsibilities that there is someone waiting for us, responsibilities towards our society and the nation. Every accident either minor or major affects in numerous way. We can't deny the monetary, social and psychological, long lasting impact of accidents. So it is suggested that precautions are always better then cure.

While on road one must have these habits:

Speeding: A major aspect of accidents on road is over speeding. Make sure you are always aware of speed limits and keep to them and being especially cautious on unfamiliar roads.
Driving without Seatbelt: When you drive your body is also in motion in respect of vehicle. A properly worn seat belt increases your chances of surviving when, a motor vehicle collision. Whenever you drive always make it sure that you and the person with you must use their seat belt.

Jumping Traffic Lights: People have been killed and seriously injured when drivers have been too impatient to wait for a traffic light. Always obey the signals for your own and others safety.

Road Rage: Be patient and calm down while driving on road. Would letting someone pull out in front of you is actual for your own betterment. So, don't shy to do it. Driving Tired: If you do, you are putting yourself and everyone else on the road at risk.
Stop for a 15-minute break every two hours. Try to avoid long trips between midnight 11pm to 5am. During this period body's natural reactions are likely to be slower.

Tailgating: One should always leave at least a 3-4 second gap between his and the vehicle in front.
Phoning while driving: Now days it is quite very common and it is illegal to use a handheld mobile phone while driving. It can be dangerous and life causing. Using cell actual
behaves like a distracter and one miss his mind- presence on the road. So always turn your mobile off before you set off. If necessary, first of all park your vehicle at the safer road side and only then use mobile alternatively use the hands free kit.

In India, usually there is not any separate line for the pedestrians and all type of vehicles run on the same road. We must be more careful while sharing the road with cyclists and pedestrians.

Sandeep Kaushal, *Gurugram, Corp. Office*

Little Champs

सोनल कौशल
सुपुत्री श्री संदीप कौशल को
दवित्व्हस्तलिपि (Ambidexterity)
के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी
परिषद द्वारा सम्मानित
किया गया ।

Khushi Pruthi,
D/o Deepika Pruthi
Best Painting Award by HDFC Bank

Merry Christmas from Ritco Family

बड़ा सिर – गणेशजी का बड़ा हमें संकेत देता है कि हमेशा अपनी सोच बड़ी रखनी चाहिए । बड़ा सोचेंगे तब ही बड़ा काम कर पाएंगे ।

बड़े कान – गणेशजी के बड़े कान बताते हैं कि हमें सभी कर बातें बहुत ध्यान से सुननी चाहिए । हाथी जैसे बड़े कान सूप के समान हैं । जिस तरह सूप छिलके बाहर फेंककर सिर्फ अन्न को ही अपने पास रखता है । ठीक उसी तरह सभी बातें सुनें और उनका सार ग्रहण करें ।

छोटी आंखें – गणेशजी की छोटी आंखें बताती हैं कि हमें छोटी–छोटी बातों पर नजर रखनी चाहिए । हमारी नजरों से कोई बारिक सी चीज भी नहीं छुटनी चाहिए ।

सूंड – गणपतिजी की बड़ी नाक यानी सूंड दूर तक सूंघने में सक्षम होती है । जो उनकी दूरदर्शिता को बताती है । जिसका अर्थ है कि भगवान को हर बात की जानकारी है । हमें हमारे आसपास हो रही सभी बातों को गहराई से महसूस करना चाहिए ।

एक टूटा दांत – गणेशजी का एक दांत पूरा है और दूसरा टूटा हुआ है । टूटा दांत हमें बताता है कि अगर हमारे पास की चीज का अभाव है जो उसकी वजह से निराश नहीं होना चाहिए । अपूर्णता को भी स्वीकार करें और उसके बिना भी प्रसन्न रहें ।

बड़ा पेट – भगवान का बड़ा पेट ये बताता है कि हमें अच्छी–बुरी हर तरह की बात को पचा लेना चाहिए ।

छोटे पैर – गणेशजी के छोटे पैरों का संदेश है कि हमें धैर्य बनाए रखना चाहिए । जल्दबाजी में कोई काम नहीं करना चाहिए ।

लड्डू – छोटी–छोटी बूंदियों से मिलकर लड्डू बनता है । ये हमें एकता बनाए रखने का संकेत देता है ।

अंकुश – गणेशजी के अंकुश बताता है कि हमें बुरी आदतों पर अंकुश लगाकर रखना चाहिए । क्रोध, लालच, अहंकार जैसी बुराइयों से बचना चाहिए ।

कमल – गणेशजी के हाथ में कमल बताता है कि हमें कमल की तरह रहना चाहिए । कमल कीचड़ में खिलता है । बुरे लोगों के बीच में भी हमें अपनी अच्छाई नहीं छोड़नी चाहिए ।

गणेशजी के आस–पास ऋद्धि और सिद्धि रहती है । ये इस बात का संदेश है कि जो व्यक्ति बुद्धि का सदुपयोग करता है, वह सुख–समृद्धि और शांति प्राप्त करता है, वह सुख–समृद्धि और शांति प्राप्त करता है । हमें भी सुखी जीवन के लिए गणेशजी के इन सूत्रों को अपने जीवन में उतार लेना चाहिए ।

Dhananjay Prasad

VENDOR MANAGEMENT SYSTEM (VMS)

Juli Kumari

In this year end weare working on Unique project naming "VMS" in which there will be collective data of each and every market Broker's, Vendor's & Truck Driver's details from all regions of India will be duly verified by Vahan (web portal for verfication of vehicles) & Mparivahan (for Driver's license verification) will be registered into this system. This will be an important tool for our business in future & current market to dominate in Logistics Industry as this project is all about vendors / brokers networking, which will be highly effective & help into increase our business strength as its direct impact on vehicle placement, freight control etc. irrespective of all season or market condition & auto eliminate the non placement of vehicles.

Piyush Rajput

Mr. Sanjay

Ms. Ekta

Key Persons for VMS

Ravinder Singh

Regarding this project our Special team of Operation Coordinators are on mission to visit all Branches and collect the details of every single Vendors, brokers & Truck drivers with provision of registration certificate to all individuals with welcome kit (contaning a wall clock, Pen & sweets with vision of a good & healthy relation with them)

RITCO NETWORK

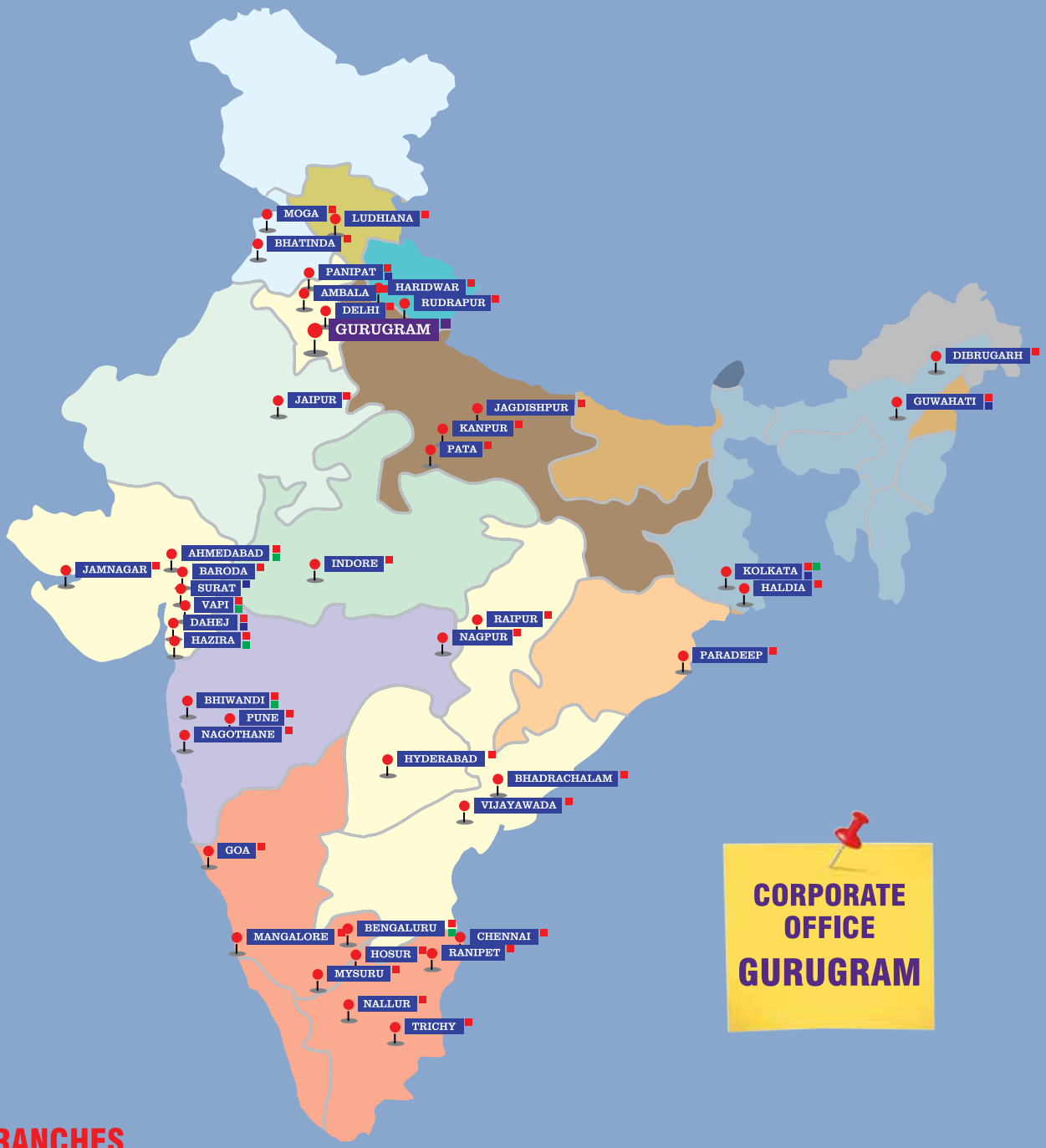

CORPORATE OFFICE
GURUGRAM

BRANCHES

AHMEDABAD
AMBALA
BANGALORE
BARODA
BHADRACHALAM
BHATINDA
BHIWANDI
CHENNAI
DAHEJ
DELHI
DIBRUGARH
GOA
GURUGRAM
GUWAHATI
HALDIA
HARIDWAR
HAZIRA
HOSUR
HYDERABAD
INDORE
JAGDISHPUR
JAIPUR
JAMNAGAR
KANPUR
KOLKATA
LUDHIANA
MANGALORE
MOGA
MYSURU
NAGOTHANE
NAGPUR
NALLUR
PANIPAT
PARADEEP
PATA
PUNE
RAIPUR
RANIPET
RUDRAPUR
TRICHY
VAPI
VIJAYAWADA

FLEET CENTER

DAHEJ
GUWAHATI
KOLKATA
PANIPAT
SURAT

WAREHOUSE

AHMEDABAD
BENGALURU
BHIWANDI
HAZIRA
KOLKATA
VAPI

बचपन की यादें

यह बात तब की है जब मैं बहुत छोटी थी । एक दिन मैंने अपनी मां को खाना बनाते हुए ध्यान से देखा । मेरी मां आटा गूंथ रही थी । आटा गूंथने की वजह से उनके हाथ गंदे हो गए थे और मैंने यह सोचा कि मां ने आटे में पानी डाल कर क्या हालत बना दी है । उसके बाद मैंने देखा कि मां आटे की गोल-गोल लोइयां बना कर उन्हें बेलने लगी है । फिर उन्हें तवे पर मां ने सेका । गोल-गोल रोटियां फूलने लगी । तभी मैंने खुश होकर मां से कहा कि मां कितनी सुंदर रोटियां बन रही है । मैं तो सोच रही थी कि आपने क्यों अपने हाथों और आटे को गंदा कर दिया ।

मेरी बात सुन कर मां बोली - कभी भी किसी बाहरी दिखावट पर मत जाओ । तुम सोच रही थी कि मां आटा क्यों गूंथ रही है और फिर रोटियां क्यों सेक रही है । हर सुंदर दिखने वाली चीज़ वास्तव में सुंदर नहीं होती । सुंदर व्यक्तित्व के लिए और सफलता हासिल करने के लिए, जैसे रोटियां आग से निकलती है, वैसे ही मनुष्य को कठिनाइयों एवं परिश्रम के सेंक से निकलना पड़ता है तभी मनुष्य का व्यक्तित्व निखरता है और सफलता मिलती है ।

मेरी मां की कही हुई बात मेरे दिल और दिमाग पर अमिट छाप छोड़ गई । आज भी जब मैं उस स्मृति को याद करती हूं तो हैरान होती हूं कि उन्होंने इतनी उपयोगी बात कितनी सरलता से कह डाली । मेरी मां की दी हुई वो नसीहत आज भी मुझे मुश्किल समय में राह दिखाती है ।

एकता सिंह, गुरुग्राम ऑफिस

अब शायद कुछ पा लिया है, पर लगती है कि बहुत कुछ गंवा दिया

दादी मां बनाती थी रोटी, पहली गाय की, आखिरी कुत्ते की
एक बामणी दादी की, एक मेथरानी बाई की,
हर सुबह सांड आ जाता था,
दरवाजे पर गुड़ की डली के लिए,
कबूतरी का चुग्गा, कीड़ियों का आटा ग्यारस,
अमावस, पूर्णिमा का सीधा, डाकौत का तेल, काली कुतिया के ब्याने पर तेल गुड़ की सीरा ।
सब कुछ निकल आता था उस घर से,
जिसमें विलासिता के नाम पर एक टेबल पंखा था ।
आज सामान से भरे घर में कुछ भी नहीं निकलता सिवाय लड़ने की कर्कश आवजों के,

मकान चाहे कच्चे थे लेकिल रिश्ते सारे सच्चे थे,
चारपाई पर बैठते थे, पास-पास रहते थे,
सोफे और डबल बैड आ गए, दूरियां हमारी बढ़ा गए,
छतों पर अब न सोते हैं, बात बतंगढ अब न होते हैं,
आंगन में वृक्ष थे, सांझे सुख-दुख थे,
दरवाजा खुला रहता था, राही भी आ बैठता था,
कौवे भी कांवते थे, मेहमान आते जाते थे,
इक साइकिल ही पास था, फिर भी मेल जोल था,
रिश्ते निभाते थे, रूठते मनाते थे,
पैसा चाहे कम था, माथे पर ना गम था,
मकान चाहे कच्चे थे, रिश्ते सारे सच्चे थे,
अब शायद कुछ पा लिया है, पर लगता है कि बहुत कुछ गंवा दिया ।।

विपिन गुप्ता, गुरुग्राम ऑफिस

सकारात्मक सोच

आपके मानविक स्वास्थय की स्थिति आपके जीवन के बारे में काफी कुछ बताती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि वह लोग जो सकारात्मक सोच पर अधिक ध्यान देते हैं और सकारात्मक रवैया रखते हैं, वह न केवल जीवन का अधिक मजा लेते हैं बल्कि अधिक स्वस्थ जीवन भी व्यतीत करते हैं। माना जाता है कि आशावादी लोग दर्द एवं कठिनाई से अपने प्रतिरूप निराशावादी लोगों के मुकाबले बेहतर निपटते हैं। याद रखें कि आपका शरीर आपके विचारों, भावनाओं तथा कार्यों पर प्रतिक्रिया देता है। तो अगर आप खराब मनोदशा में हैं तो आपका शरीर समान तरीके से प्रतिक्रिया देगा। सही खाना खा कर और तनाव को संतुलित रखकर अपने आप को स्वस्थ रखते हुए, सकारात्मक सोच अच्छा स्वास्थय सुनिश्चित करते हुए लम्बा रास्ता तय करती है।

यदि आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं और स्वय। से कहते हैं कि आप बिमार हो रहे हैं तो सम्भावना है कि वह सच हो जाएगा। आप जितना सोचते हैं आपका मन उससे अधिक ताकतवर है। यह सोचना बंद कर दें कि आप बिमार होने वाले हैं या एक बिमारी से ठीक होने में समय लेंगे। विशेषज्ञ इस प्लेसिबो प्रभाव कहते हैं - प्लेसिबो एक इलाज है जो कोई चिकित्सक लाभ नहीं देता सिवाय रोगी के द्वारा विश्वास करने के कि वह उन्हें अच्छा होने में मदद कर रहा है। कोई रोगी उनकी समस्या से आराम बताते हैं, हालांकि उन्होन असल में कोई दवाई नहीं ली है।

सकारात्मक सोचना हर किसी को प्राकृतिक रूप से नहीं आता है। वह बदलाव करने के लिए आपको एक सचेत प्रयास करना होता है। जब भी आप अपने को नकारात्मक विचार करते हुए पाते हैं, तो उन्हें रोक दें। एक खुशी के मौके या याद के बारे में सोचना शुरू कर दें जो आपको प्रसन्न करेगी।

सकारात्मक बोलें। मैं यह नहीं कर सकता या यह नामुमकिन है सोचने या बोलने के बजाय सकारात्कम दावे करें - मैं इसमें पूरी कोशिश करूंगा या मेरे पास आभारी होने के लिए बहुत चीजें हैं। सकारात्मक माहौल बनाता है।

समाज सेवा और स्वयं सेवा करूणा की भावना बढ़ाती है, जो बदले में आपको एक बेहतर इंसान बनाती है। जब आप किसी की मदद करते हैं, आप अपनी भी मदद करते हैं। कई ऐसे अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम, मानसिक एवं शरीरिक विकलांग केंद्र और पशु आश्रय हैं जिन्हें आपके द्वारा वहां रह रहे लोगों एवं पशुओं के साथ वक्त बिताने की जरूरत है।

जब आप प्रार्थना और आध्यात्मिक विश्वास में एक निश्चित समय व्यतीत करते हैं तो आप अपनी तरफ से सकारात्मक कंपन भेजते हैं। विश्वास रखें और वह एक वफादार साथी के रूप में काफी लम्बे रास्ते तक रहेगा। प्रार्थना और ध्यान आपके आध्यात्मिक पक्ष से जुड़ने के अच्छे तरीके हैं।

Hariom Sharma

आग लगने पर क्या करें और क्या ना करें

अग्नि दुर्घटना होने पर यह करें :-

आग-आग चिल्लाएं, यदि फायर अलार्म प्रणाली स्थापित हो तो वह स्वयं कार्य करेगी, अलार्म बजाएं ।

पानी अथवा अग्निशामक यत्रों की सहायता से आग फैलने से रोकें व आग को बुझाएं । ध्यान रहे कि बिजली वाली आग बुझाने में कार्बन डाई ऑक्साइड गैस टाइप यंत्रों का ही प्रयोग करें , कम्पयूटर से संबंधित आग पर कार्बन डाई आक्साइड गैस का प्रयोग की उपयुक्त होगा ।

फायर स्टेशन को फोन नम्बर १०१ पर तत्काल सूचित करें ।

बिजली के मेन स्विच को बंद कर दें ।

आग पकड़ने वाली सामग्री को आग की पहुंच से दूर हटाएं ।

यदि आग बुझाने में आपकी आवश्यकता नहीं है तो शांतिपूर्वक सुरक्षित जगह पर चले जाएं ।

यदि किसी व्यक्ति को आग पकड़ लेती है तो कंबल या मोटे कपड़े से लपेट कर आग बुझाएं ।

अग्नि दुर्घटना होने पर यह न करें:-

फायर बिग्रेड के काम में बाधा न पहुंचाएं ।

जिस कक्ष में भयंकर आग लगी हो उसकी खिड़की अथवा द्वार को अचानक न खोलें ।

महत्वपूर्ण रिकार्ड व सामग्रियों को हटाने का बंदोबस्त करें । आवश्यक हो तो आग बुझाने में मदद करें ।

किसी कारणवश यदि आप अग्नि प्रभावित व अत्यधिक धुएं वाले कक्ष में रह गए हैं तो फर्श पर लेट जाएं व निकास द्वार या सुरक्षित स्थान की ओर सरकते हुए चलें ।

बिल्डिंग खाली करते समय एक लाइन में दीवार से सटे हुए सीढ़ियों या अन्य निकास का प्रयोग करें । याद रखें कि बिल्डिंग खाली करते समय लिफ्ट का प्रयोग न करें ।

अग्नि बचाव के लिए यह करें:-

सदैव कार्यालय को व्यवस्थित रखें ।

कक्ष छोड़ने से पहले सभी प्रकार के विद्युत उपकरणों को बंद कर दें ।

रद्दी कागजों व कूड़ा करकट आदि को ढक्कन लगे कूढ़ादान में डालें व समय-समय पर निस्तारण कराएं ।

कार्यालय परिसर में टूटे फर्नीचर, रद्दी , पुराने बिस्तर इत्यादि को स्टोर न करें बल्कि इनका समय-समय पर इनका निस्तारण करवाएं ।

सभी सीढ़ियों एवं रास्तों को अवरोध रहित रखें ।

माननीय उच्चतम न्यायलय के आदेशानुसार सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध है । कृपया इसका सख्ती से पालन करें।

अस्थाई तौर पर विद्युत आपूर्ति बाधित रहने अथवा विद्युत भार कम ज्यादा करते समय सभी विद्युत उपकरणों के स्विच बंद रखें।

विद्युत उर्जा का उपयोग सावधानी पूर्वक व योजनाबद्ध तरीक से करें तथा विद्युतलोड व यूपीएस का सामान आधार पर वितरण किया जाए।

बिजली की फिटिंग की समय-समय पर जांच करवाएं ।

अग्निशामक यंत्रों की प्रयोग विधि को यंत्रों में लगे निर्देशों से ज्ञात करें एंव कंपनी द्वारा वार्षिक रख-रखव के समय उनकी परिचालन की विधि सीखें ।

आग लगने से बचने के लिए यह न करें :-

ज्वलनशील सामग्री के पास माचिस, लाइटर न जलांए व खुली बत्ती व बिना चिमनी का लैंप न जलाएं ।

अग्निशामक यंत्रों व सामग्री से छेड़छाड़ न करें ।

गैस बत्ती व लालटेन का प्रयोग रिकार्ड रूम में न करें ।

आपातकालीन निकास व सीढ़ियो को अवरोध न करें ।

बिजली के सॉकेट में नंगे तार का प्रयोग न करें

बिजली के उपकरणों से छेड़छाड़ न करें ।

एक विद्युत प्वाइंट से एक से अधिक कनेक्शन न लिए जाएं और न ही विद्युत तार से काट कर कनेक्शन लिया जाए ।

अवांछित विद्युत उपकरणों का प्रयोग न करें ।

उच्च प्रतिरोधक वाले फ्यूज का प्रयोग बिना विद्युत अभियंता की सलाह क न करें । असामंजस्य की स्थिति पैदा न करें और न ही अफवाह फैलाएं ।

कमल सिंह, गुरुग्राम ऑफिस

RITCO
Consider it Done

Ritco Logistics Limited

Corp. & Admin. Office : "RITCO HOUSE" 336, Phase-II, Udyog Vihar, Gurugram - 122 016, Haryana
Ph. : 0124-4702300/301 E-mail : ho@ritcologistics.com
Regd. Office : 508, 5th Floor, Jyoti Shikhar Tower, District Centre, Janakpuri, New Delhi-110058 Ph.: 011-25522158
www.ritcologistic.com

हर अंक को बेहतर स्वरूप देने के लिए सभी पाठकों से अपेक्षा की जाती है कि आप हमें अपने लेख एवं कविताएं समय-समय पर भेजते रहेंगे। आपकी प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों का हमें इंतजार रहेगा। आप अपनी प्रतिक्रिया एवं सुझाव भेज सकते हैं।

संदीप कौशलः +91 7827110000 Email : sandeepkaushal@ritcologistics.com